भारत सरकार
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 1278
09 फरवरी, 2024 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

पेट संबंधी कैंसर

1278. श्री रवनीत सिंह:

क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या विगत दस वर्षो के दौरान देश में पेट संबंधी कैसर के मामलों मे वृद्धि हुई है;
(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं;
(ग) क्या सरकार इस संबंध में लोगों में जागरूकता फैलाने सहित कोई उपाय कर रही है;
(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(ङ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री (प्रो.एस.पी.सिंह बघेल)

(क) और (ख): राष्ट्रीय रोग सूचना विज्ञान और अनुसंधान केंद्र (एनसीडीआईआर) - (एनसीआरपी) के अनुसार, देश में पेट के कैंसर के मामलों की अनुमानित संख्या बढ़ रही है और वर्ष 2014 से 2023 तक का विवरण अनुलग्नक में संलग्न है। वैज्ञानिक प्रकाशनों की समीक्षा के आधार पर, पेट के कैंसर के मामलों में वृद्धि के कई कारण हैं- पेट के कैंसर का पारिवारिक इतिहास, हेलिकोबैक्टर पाइलोरी संक्रमण, पेट के अल्सर या पेट के पॉलीप्स का इतिहास, उच्च वसायुक्त, नमकयुक्त, स्मोक्ड या अचारयुक्त खाद्य पदार्थों का आहार, एपस्टीन-बार वायरस संक्रमण।

(ग) से (ङ): स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग, भारत सरकार, मधुमेह सहित गैर-संचारी रोग निवारण और नियंत्रण हेतु राष्ट्रीय कार्यक्रम (एनपी-एनसीडी) के अंतर्गत राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को तकनीकी और वित्तीय सहयोग प्रदान करता है। यह कार्यक्रम कैंसर सहित गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) के उपचार के लिए बुनियादी ढांचे को मजबूत करने, मानव संसाधन विकास, स्वास्थ्य संवर्धन और रोकथाम, शीघ्र निदान, प्रबंधन के लिए जागरूकता पैदा करने और उचित स्तर के स्वास्थ्य सुविधा केंद्र में रेफरल पर केंद्रित है। एनएचएम के अंतर्गत राज्यों को जिला स्तर और उससे नीचे के कार्यकलापों के लिए 60:40 (पूर्वोत्तर और पहाड़ी राज्यों के मामले में 90:10) के अनुपात में वित्तीय सहायता दी जाती है। एनपी-एनसीडी के तहत, 753 जिला एनसीडी क्लीनिक और 6237 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र एनसीडी क्लीनिक स्थापित किए गए हैं।

एनएचएम के तहत देश में व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य परिचर्या के भाग के रूप में सामान्य एनसीडी यानी मधुमेह, उच्च रक्तचाप और सामान्य कैंसरों की रोकथाम, नियंत्रण और जांच के लिए जनसंख्या आधारित पहल शुरू की गई है। इन सामान्य एनसीडी की जांच आयुष्मान आरोग्य मंदिर (पूर्व में आयुष्मान भारत - स्वास्थ्य और आरोग्य केंद्र) के तहत सेवा वितरण का एक अभिन्न अंग है।

आयुष्मान भारत स्वास्थ्य आरोग्य केंद्र योजना के माध्यम से व्यापक प्राथमिक स्वास्थ्य परिचर्या के अंतर्गत सामुदायिक स्तर पर स्वास्थ्य गतिविधियों और लक्षित संप्रेषण को बढ़ावा देकर एनसीडी के निवारक पहलू को सुदृढ़ किया जाता है। एनसीडी के बारे में जन जागरूकता बढ़ाने और स्वस्थ जीवन शैली को बढ़ावा देने के लिए अन्य पहलों में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्वास्थ्य दिवसों को मनाना और निरंतर सामुदायिक जागरूकता के लिए प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया का उपयोग करना शामिल है। इसके अलावा, एफएसएसएआई के माध्यम से स्वस्थ खान-पान को भी बढ़ावा दिया जाता है। युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय द्वारा फिट इंडिया अभियान चलाया गया है, और आयुष मंत्रालय द्वारा योग से संबंधित विभिन्न कार्यकलाप किए जाते हैं। इसके अतिरिक्त, एनपी-एनसीडी के तहत, राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों द्वारा किए जाने वाले मधुमेह सहित एनसीडी के लिए जागरूकता सृजन (आईईसी) कार्यकलापों के लिए उन्हें उनकी कार्यक्रम कार्यान्वयन योजनाओं (पीआईपी) के अनुसार एनएचएम के तहत वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

अनुलग्नक

भारत में कैंसर के अनुमानित मामले (2014-2023) – पेट का कैंसर (सी16) – स्त्री पुरुष दोनों*	
वर्ष	मामले
2014	42929
2015	44087
2016	45250
2017	46446
2018	47668
2019	48887
2020	50143
2021	51412
2022	52706
2023	54023

******